भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 63

उत्तर देने की तारीख-22/07/2024

विदेशी सहयोग से स्थापित आईआईटी संस्थानों की स्थिति

† 63. श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डीः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ, यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी जैसे देशों के शीर्ष विदेशी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों की साझेदारी से कई आईआईटी स्थापित किए गए हैं ताकि शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों के अनुरूप उत्कृष्टता और प्रतिष्ठा दोनों प्राप्त की जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:

(ख) क्या इन संस्थानों को विदेशी पारंपरिक संस्थानों के वांछित उच्च मानकों को पूरा करने में मुश्किलें हो रही हैं क्योंकि वे प्रमुख महानगरीय केंद्रों से दूर स्थित थे, जैसे कि धनबाद स्थित भारतीय खनन विद्यालय, जबकि अन्य "ग्रीनफील्ड" स्टार्ट-अप थे;

(ग) क्या शीर्ष प्रोफेसर बहुधा अलग-अलग स्थानों पर काम करने में अनिच्छुक होते हैं, और छात्र भी खुद को नामांकित करने में हिचकिचाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप नए आईआईटी में 2021-22 में 361 स्नातक, 3083 स्नातकोत्तर और 1852 पीएचडी सीटें खाली थीं और वे संकाय संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही थीं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा चुनौतियों को दूर करने के लिए क्या सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क): प्रारंभिक वर्षों के दौरान, आईआईटी को विदेशों से अलग-अलग स्तरों पर जैसे कि तत्कालीन सोवियत संघ से आईआईटी बॉम्बे, जर्मनी से आईआईटी मद्रास, संयुक्त राज्य अमेरिका से आईआईटी कानपुर, और यूनाइटेड किंगडम से आईआईटी दिल्ली को भौतिक सहायता और शैक्षिक सहयोग से लाभ मिला।

(ख): जी नहीं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) को आवश्यक गतिशीलता, संगठन की परिवर्तनशीलता और ज्ञान के विस्तार एवं आधुनिक समाज की सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं में परिवर्तन के आलोक में अनुकूलन की क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में, आईआईटी ने विश्व स्तरीय शैक्षणिक मंच तैयार किए हैं, जो उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाओं पर आधारित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अनुसंधान के माध्यम से निरंतर कायम हैं। आईआईटी के संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों ने भारत और विदेश दोनों में समाज के सभी क्षेत्रों पर बड़ा प्रभाव डाला है। ये संस्थान विश्व स्तर पर अकादमिक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में पहचाने जाते हैं, और ये संस्थान यहां से स्नातक होने वाले छात्रों की उत्कृष्ट क्षमता के लिए प्रतिष्ठित हैं।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) ने उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। आईआईटी बॉम्बे को 118वें (2024 में 149वें), आईआईटी दिल्ली को 150वें (2024 में 197वें), आईआईटी खड़गपुर को 222वें (2024 में 271वें), आईआईटी मद्रास को 227वें (2024 में 285वें), आईआईटी कानपुर को 263वें (2024 में 278वें) और आईआईटी रुड़की को 335वें (2024 में 369वें) स्थान पर रखा गया है। ये रैंकिंग इन संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता की बढ़ती वैश्विक मान्यता को दर्शाते है।

(ग) और (घ): भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) प्रमुख संस्थान हैं और इनमें भारत के सर्वाधिक प्रतिष्ठित एवं निपुण शिक्षाविद् हैं। नए आईआईटी अर्थात तीसरी पीढ़ी के आईआईटी (आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी जम्मू, आईआईटी भिलाई, आईआईटी गोवा और आईआईटी धारवाड़) ने पहले चरण में ही 6800 से अधिक छात्र संख्या तथा 560 से अधिक संकाय संख्या प्राप्त कर ली है।

*****